BSES

वेस्ट दिल्ली में बिजली संकट से निपटने को एक्शन प्लान तैयारः

60 दिनों के भीतर शुरू होगा हस्तसाल ग्रिड, दुरूस्त होगी वेस्ट दिल्ली की बिजली व्यवस्था

- वेस्ट दिल्ली की ओएंडएम टीमें हाई अर्ल्ट पर
- सभी पावर रेस्टोरेशन वैन्स को चौबीसों घंटे सड़क पर रहने के आदेश

नई दिल्लीः 1 जून, 2013। वेस्ट दिल्ली में बिजली संकट से निपटने के लिए बीआरपीएल ने एक्शन प्लान तैयार कर लिया है। अगले 60 दिनों के भीतर वेस्ट दिल्ली की बिजली व्यवस्था जल्द दुरूस्त कर दी जाएगी। बीआरपीएल वेस्ट दिल्ली में अपनी बिजली वितरण क्षमता में 180 एमवीए की बढ़ोतरी करने जा रही है। इसमें एक 66/11 केवी का हस्तसाल ग्रिड स्टेशन भी शामिल है। यह ग्रिड स्टेशन 31 जुलाई तक काम करना शुरू कर देगा। इसके अलावा, मटियाला, द्वारका, नांगलोई और बोडेला में स्थित ग्रिड स्टेशनों की क्षमता भी बढ़ाई जा रही है, ताकि वेस्ट दिल्ली के निवासियों को किसी भी तरह की बिजली संबंधी परेशानी न झेलनी पड़े। वेस्ट दिल्ली के नेटवर्क पर 90 करोड़ रूपये खर्च किए जाएंगे।

वेस्ट दिल्ली की बिजली स्थिति में तुरंत सुधार लाने के लिए बीआरपीएल ने दो सर्कल कंट्रोल रूम्स बनाए हैं जो चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। ब्रेकडाउन और बिजली सिस्टम में किसी भी तरह के फॅल्ट्स को ये कंट्रोल रूम्स दिन–रात मॉनिटर कर रहे हैं। इन दो सामान्य कंट्रोल रूम्स के उपर एक मुख्य कंट्रोल रूम भी नेहरू प्लेस में बनाया गया है, जो इन दोनों कंट्रोल रूम्स के कामकाज पर नजर रखेगा और उन्हें जरूरी निर्देश देगा। क्विक एक्शन टीमों को भी फील्ड में तैनात किया गया है। ये टीमों ऑपरेशन व मेंटेनेंस टीमों की निगरानी करेंगी और जरूरत पड़ने पर खुद भी फील्ड में जाकर फॉल्ट्स को ढूंढेगी और उन्हें रिपेयर करेगी। इसके अलावा, कॉल सेंटरों पर कॉल अटेंड करने वाले कर्मियों की संख्या बढ़ा दी गई है। ऑपरेशन व मेंटेनेंस टीमों में कर्मचारियों की संख्या भी बढ़ाई गई है।

बीआरपीएल ने वेस्ट दिल्ली के अपने सभी डिविजनों के ऑपरेशन व मेंटेनेंस मैनेजरों को हाई अलर्ट पर रहने को कहा है। सभी पावर रेस्टोरेशन वैन्स को चौबीसों घंटे सड़क पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। इनमें वे पावर रेस्टोरेशन वैन्स भी शामिल हैं, जिन्हें आमतौर पर रिजर्व में रखा जाता है।

बीआरपीएल प्रवक्ता के मुताबिक– बिजली की बढ़ती डिमांड को ध्यान में रखते हुए बीआरपीएल लगातार अपने सिस्टम में निवेश कर रही है। कुछ हफ्तों के भीतर उसके नेटवर्क की क्षमता और भी ज्यादा बढ़ जाएगी।

सिस्टम को दुरूस्त करने में आने वाली दिक्कतों का जिक्र करते हुए प्रवक्ता ने बताया कि उत्तम नगर, मोहन गार्डन, सैनिक विहार, किरण गार्डन, जय विहार, चंदन विहार, श्याम विहार, बदरपुर और संगम विहार आदि कॉलोनियों में सिस्टम को अपग्रड करने में मुश्किल आती है। क्योंकि इन कॉलोनियों में ट्रांसफॉर्मर व पोल लगाने और केबलें बिछाने के लिए जगह की काफी कमी है।

पिछले एक साल के भीतर बीआरपीएल ने वेस्ट दिल्ली में अपनी बिजली वितरण क्षमता में 152 एमवीए की बढ़ोतरी की है। रघुबीर नगर में 60 करोड़ रूपये की लागत से एक 66/11 केवी का ग्रिड शुरू किया है। साथ ही बोडेला के दो ग्रिड स्टेशनों में स्थित ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता भी बढ़ाई गई है।

द्वारका, जफ्फारपुर, जनकपुरी, नजफगढ़, नांगलोई, पालम, पंजाबी बाग, टैगोर गार्डन और विकासपुरी जैसे इलाकों में भी 52 एमवीए की वितरण क्षमता बढ़ाई गई है।